विश्व न्याय मन्दिर

प्रभुधर्म के कार्य के आध्यात्मिक महत्व और धर्मानुयायियों को जिस एकाग्र इरादे के साथ अपने पावन दायित्वों को निभाना चाहिए उस पर सदा बल देते हुए शोगी एफेन्दी ने यह भी आगाह किया कि हम राजनीतिक विवादों, उलझनों और तकरारों में कोई हिस्सेदारी न करें। एक अन्य अवसर पर उन्होंने आग्रह किया कि "वे हर तरह के संघवाद और पक्षपात, निरर्थक विवादों, तुच्छ संगणनाओं, मुखड़े को उत्तेजित और इस परिवर्तनशील संसार के ध्यानाकर्षित करने वाले क्षणिक भावावेशों के दायरों से ऊपर उठें।"

–रिज़वान 2017

मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Posted at DPSO
Delhi on 10/11.03. 2025
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA
वर्ष : 61 अंक 03 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
मार्च 2025 बहाई वर्ष : 181–182

चंडीगढ़ में क्षेत्रीय बैठक का आयोजन

पंजाब में क्लस्टर विकास समिति के सदस्यों के लिए चंडीगढ़ के बहाई भवन में एक क्षेत्रीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें गुड़गांव और चंडीगढ़ से 20 समर्पित प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह सीखने, चिंतन और सहयोग का समय था। बैठक के दौरान, रूही पुस्तक–10, यूनिट 3 पर ध्यान केंद्रित किया और हमारी सामूहिक यात्रा में सीजीसी की भूमिका और महत्व पर गहन चर्चा की। प्रमुख विषयों में से एक यह था कि ये सभाएँ अपने प्रयासों के विस्तार और दृढ़ीकरण दोनों में एक आवश्यक भूमिका कैसे निभाती हैं। समूह ने उन मुख्य गतिविधियों की खोज की जो इन लक्ष्यों को पोषित करने और दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने में मदद करती हैं।

उन्होंने शिक्षण के महत्व पर भी एक व्यावहारिक चर्चा की, इस बात पर विचार किया कि हमारी भक्ति सभाओं को लगातार कैसे बेहतर बनाया जाए। क्षेत्रीय स्तर की भक्तिपरक बैठकों की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और आगे की वृद्धि के लिए क्षेत्रों की पहचान करने का सामूहिक प्रयास था। बैठक का एक और महत्वपूर्ण पहलू गृहभ्रमण के बारे में बातचीत थी। उन्होंने इस अभ्यास को अधिक व्यवस्थित और प्रभावशाली बनाने के तरीकों पर विचार–विमर्श किया, जिससे एक अधिक संगठित और प्रभावी दृष्टिकोण सुनिश्चित हुआ।

अंतिम सत्र में, सदस्यों को छोटे–छोटे समूहों में विभाजित किया गया और उन्हें पाँच मार्गदर्शक प्रश्नों के आधार पर अपने–अपने समूहों के लिए योजनाएँ विकसित करने का काम सौंपा गया। इस अभ्यास ने उद्देश्यों को स्पष्ट करने और प्रत्येक क्षेत्र के विकास के लिए कार्रवाई योग्य लक्ष्य निर्धारित करने में मदद की। यह सभा सभी के लिए एक समृद्ध अनुभव था, जिसने हमारे साझा उद्देश्य को विस्तारित करने और दृढ़ीकरण करने में हमारी जिम्मेदारियों के बारे में अधिक एकता और समझ को बढ़ावा दिया।



चंडीगढ़ में आयोजित बैठक में शामिल प्रतिभागी

इस अंक में

पश्चिम बंगाल में पायनियर जागृति कार्यक्रम का आयोजन

पश्चिम बंगाल की राज्य बहाई परिषद द्वारा पश्चिम बंगाल के उन्नत क्षेत्रों में से एक मनबाजार क्लस्टर समूह में पायनियर जागृति कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। 14 फरवरी, 2025 को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक–से–अधिक प्रतिभागियों को पश्चिम बंगाल के लक्षित क्लस्टरों में पायनियर बनने के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रेरणा से प्रेरित करना था।

इस एक दिवसीय कार्यक्रम में कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में राज्य बहाई परिषद के सभी सदस्य, सहायक मण्डल सदस्य और सलाहकार महोदय की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सुशोभित किया, जिन्होंने वहाँ पर उपस्थित सभी मित्रों को पूरे सत्र के दौरान बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की और उनका मार्गदर्शन किया।

इस कार्यक्रम के लिए विशेष रूप से तैयार सामग्री के संरचित अध्ययन के बाद जिन पर चर्चा की गई उनमें निम्न अन्य विषय शामिल थे :–

1. पायनियर की भूमिका और गुण – एक बहाई पायनियर की विशेषताओं और जिम्मेदारियों को समझना।
2. धर्म भुजाओं की कहानियाँ – ईश्वर की धर्म भुजाओं के जीवन से प्रेरणादायक विवरण।
3. वर्तमान नौ वर्षीय योजना – एक ऐतिहासिक उद्देश्य – दस वर्षीय धर्मयुद्ध से तुलना और वर्तमान युग में इसका महत्व।
4. रूही पुस्तक 2 से चयनित अनुभाग – बहाई संस्थान प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से कैसे पेश किया जाए, इस पर ध्यान केंद्रित किया गया।
5. प्रश्न और उत्तर सत्र – पायनियर प्रयासों के संबंध में चिंताओं का समाधान करना और शंकाओं का स्पष्टीकरण करना।



पश्चिम बंगाल में आयोजित पायनियर कार्यक्रम में भाग लेने वाले मित्रगण

कार्यक्रम के समापन पर, उपस्थित मित्रों में से 36 व्यक्तियों ने अल्पकालिक पायनियर बनने के लिए अपनी रुचि और इच्छा व्यक्त की। राज्य बहाई परिषद प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के परामर्श से इन व्यक्तियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था करेगी और उन्हें बहुत जल्द लक्षित क्लस्टरों में भेजा जाएगा।

इस पहल की सफलता के आधार पर, राज्य बहाई परिषद पश्चिम बंगाल, राज्य के अन्य उप–क्षेत्रों – मेदिनीपुर, झालदा, बोलपुर, हुरा, इंदपुर और बांकुरा में भी शीघ्र ही इसी तरह के पायनियर जागृति कार्यक्रम आयोजित करेगी।

भारत की एकजुटता के लिए संगोष्ठी

राष्ट्रीय कार्यालय के बहाई जनसंपर्क विभाग ने भारत को एकजुट करने के लिए धर्म की शक्ति का उपयोग शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें विद्वानों, विधि विशेषज्ञों, मीडिया पेशेवरों और धार्मिक नेताओं को राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में धर्म की रचनात्मक भूमिका का पता लगाने के लिए एक साथ लाया गया। इस कार्यक्रम में भारत की अनूठी आध्यात्मिक विरासत और धार्मिक सह–अस्तित्व की परंपरा पर प्रकाश डाला गया। उद्घाटन भाषण में इस बात पर जोर दिया गया कि जबकि धर्म का ऐतिहासिक रूप से सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किया गया है, इसका दुरुपयोग विभाजन पैदा करने के लिए भी किया गया है। जनसंपर्क कार्यालय की निदेशक ने कहा, ''भारत जैसे विविधतापूर्ण और विशाल राष्ट्र की एकता और अखंडता एक आश्चर्यजनक उपलब्धि है, और कुछ लोग इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि राष्ट्र को एक साथ बांधने वाली एक महत्वपूर्ण एकजुट शक्ति उसके लोगों की आध्यात्मिकता है।''

संगोष्ठी के दौरान, वक्ताओं ने इस बारे में अंतर्दृष्टि साझा की कि कैसे धर्म सामाजिक सद्भाव और न्याय के लिए आधार के रूप में काम कर सकता है। प्रोफेसर बिंदु पुरी ने रवींद्रनाथ टैगोर की शिक्षाओं पर विचार करते हुए कहा, ''यदि आप यह विचार छोड़ देते हैं कि हर चीज का आपके लिए एक उद्देश्य होना चाहिए, तो आप अन्य चीजों और अन्य लोगों के साथ इस एकता को महसूस करना शुरू कर देते हैं। उद्देश्य विभाजित करता है – इसका अभाव हमें एक बड़ी वास्तविकता में बहने देता है।'' सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. जी. वी. राव ने धर्मनिरपेक्षता के लिए भारत की संवैधानिक प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए बताया, ''हमारे संविधान का सार सभी धर्मों का सम्मान करना है। हम हर परंपरा का स्वागत करते हैं और सहस्राब्दियों से सह–अस्तित्व में हैं। अब चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि धर्म विभाजन के बजाय एकता की ताकत बना रहे।'' इस बीच, प्रोफेसर के. जी. सुरेश ने मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करते हुए चेतावनी दी, ''जागरूकता की कमी से गलतफहमियाँ पैदा होती हैं, और पत्रकारों को पूर्वाग्रहों और रूढ़ियों का मुकाबला करने के लिए विभिन्न धर्मों के मूल सिद्धांतों पर खुद को शिक्षित करना चाहिए।''

सामाजिक कार्य की तैयारी (पीएसए) कार्यक्रम के राष्ट्रीय समन्वयक ने अंतरधार्मिक समझ को बढ़ावा देने में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''यदि हम चाहते हैं कि धर्म एकता का स्रोत बने, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि युवा लोग इसके बाहरी अनुष्ठानों के बजाय इसके गहन सदाचार और नैतिक सिद्धांतों से परिचित हों।'' पैनल की अध्यक्षता करने वाले बहाई चेयर फॉर स्टडीज़ एण्ड डिवेलप्मन्ट के प्रमुख ने धर्म की नई समझ की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, ''धर्म को सत्ता के उन केंद्रों के हाथों में नहीं छोड़ा जाना चाहिए जो राजनीतिक या आर्थिक लाभ के लिए इसका दुरुपयोग करना चाहते हैं। इसके बजाय, व्यक्तियों और समुदायों को धार्मिक प्रवचन का स्वामित्व लेना चाहिए, इसे ज्ञान की एक प्रणाली के रूप में उपयोग करना चाहिए जो एकता और प्रगति को बढ़ावा देता है।''

श्री सुजीत कुमार, संसद सदस्य, राज्य सभा ने व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, ''हमें धर्म को केवल पहचान चिह्न के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक भलाई के स्रोत के रूप में देखना चाहिए।'' संगोष्ठी का समापन धार्मिक समुदायों, नीति निर्माताओं और मीडिया के बीच संवाद और सहयोग बढ़ाने के आह्वान के साथ हुआ ताकि समाज में धर्म के सकारात्मक प्रभाव को सुदृढ़ किया जा सके।



संगोष्ठी में अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रतिभागी

समाचारचित्र



ओडिशा के बालीशंकरा क्लस्टर के किनिकीबंधा समुदाय की सुश्री मेघारानी पटेल और सुंदरगढ़ के श्री शुभम नाइक का विवाह 4 फरवरी, 2025 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



गुरुग्राम की सुश्री प्रिया सिंह और श्री गजानंद मण्डल का विवाह 18 जनवरी, 2025 को स्थानीय आध्यात्मिक सभा गुरुग्राम के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी की पत्नी और बच्चों ने बहाई उपासना मंदिर का भ्रमण किया। उन्होंने सर्वधर्म प्रार्थना सभा में भाग लिया और सूचना केंद्र का दौरा किया, जहाँ उन्हें बहाई धर्म के सिद्धांतों और ओडिशा में बहाई समुदाय की गतिविधियों से परिचित कराया गया। परिवार ने उपासना मंदिर के शांत और आध्यात्मिक रूप से उत्थानशील वातावरण के लिए अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त की। हालाँकि माननीय मुख्यमंत्री उपस्थित नहीं हो सके, उन्हें बहाई समुदाय की ओर से अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त कीं और भविष्य में उन्हें उपासना मंदिर का भ्रमण करने के लिए निमंत्रण दिया गया।

आप सभी मित्रों को उपवास के पावन दिवसों और नवरूज़ की हार्दिक शुभकामनाएँ।

झारखरण्ड में सामाजिक क्रिया से संबंधित बैठक संपन्न

जमशेदपुर बहाई केंद्र में दो दिवसीय सामाजिक क्रिया से संबंधित बैठक 13 एवं 14 फरवरी 2025 को संपन्न हुई। इस बैठक में जमशेदपुर, आसनबनी एवं पटमदा क्लस्टर के स्थानीय और राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी साथ ही कुछ स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य एवं सहायक मण्डल सदस्य और परिषद तथा प्रशिक्षण संस्थान के सचिव को मिलाकर लगभग कुल 25 मित्र शामिल हुए। इस विशेष अवसर पर विशेष रूप से राष्ट्रीय सभा के सामाजिक क्रिया डेस्क से एक प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक के कुछ विषय वस्तु थे – जनवरी में हुए सामाजिक क्रिया सेमिनार में झारखंड से भाग लेने वाले मित्रों द्वारा वापस आने पर बनाई गई योजना पर हुए कार्यों की समीक्षा, पिछले दो वर्षों में सामाजिक क्रिया के क्षेत्र में बढ़ी हुई समझ की समीक्षा करना, कुछ नई क्रियाओं की पहचान करना और यह पहचान करना कि यह सामाजिक क्रिया है या नहीं, अगली बैठक तक के लिए सीखने हेतु कुछ तैयार प्रश्न, पिछले चक्र में दो स्थानों–कदमा और के दूसरे सत्र से पिछले दो वर्षों में सामाजिक क्रिया के क्षेत्र में सीखे जा रहे अनुभवों के आधार पर तैयार किए जा रहे एक दस्तावेज का पुनः अध्ययन किया गया और यह समझने का प्रयास किया गया कि पिछले दो वर्षों में हमने सामाजिक क्रिया की दिशा में और अधिक क्या सीखा है कुछ पुराने अनुभव और कुछ हाल के नए अनुभवों पर समीक्षा की गई। इसके बाद दूसरे दिन के प्रथम सत्र में पिछले चक्र में दो स्थानों–कदमा और बिरसानगर समुदाय में हुई सामुदायिक बैठक की समीक्षा की गई, जिसके बाद अभी इस चक्र में दोबारा नहीं हो पाई। इस विषय पर परामर्श करते हुए यह निर्णय हुआ कि चक्र में एक बार इन दोनों स्थानों पर सामुदायिक बैठक अवश्य हो, लेकिन इसके लिए कम से कम एक महीने पूर्व तैयारी जरूरी है क्योंकि इस चक्र में बैठक न होने का मुख्य कारण तैयारी था। नए स्थानों पर सामुदायिक बैठक को सीखने हेतु पटमदा के बारूबेड़ा और आसनबनी गांव की पहचान की गई। इसके बाद अंतिम सत्र में अगली बैठक हेतु कुछ विषयवस्तु



झारखण्ड में आयोजित बैठक में भाग लेने वाले मित्रगण

बिरसानगर समुदाय में हुई सामुदायिक बैठक को नियमित करना और सुव्यवस्थित करना था, नए स्थानों पर सामुदायिक बैठक को सीखना इत्यादि। प्रथम दिन के प्रथम सत्र तक दिल्ली में आयोजित हुए सामाजिक क्रिया सेमिनार के अनुभवों और रणनीतियों को उपस्थित मित्रों द्वारा साझा किया गया, मित्रों ने बताया कि सेमिनार से आने के बाद इस क्षेत्र में कुछ खास कार्य नहीं हो पाए हैं कुछ नए कार्यों को लेकर। प्रथम सत्र तैयार की गई जैसे – नई समझ के आधार पर प्रतिदिन अपने प्रयासों या समुदाय में बहाई शिक्षाओं के आधार पर होने वाले कार्यों में सामाजिक क्रिया की पहचान करना, सामाजिक क्रिया से संबंधित सीख और अंतर्दृष्टियाँ अधिक से अधिक मित्रों के पास हो इसके लिए नियमित रूप से अपने अपने स्थानों पर गोष्ठियाँ करना और मार्गदर्शनों के आधार पर सीखो का अदान–प्रदान करना इत्यादि।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की वार्षिक योजना बैठक सम्पन्न

आंध्र प्रदेश में तीन दिवसीय वार्षिक योजना और बजट बैठक का आयोजन सिकंदराबाद के बहाई भवन में किया गया।

इस सम्मेलन में परिषद सदस्यों, सहायक मण्डल सदस्यों, स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं, क्लस्टर एजेंसियों, परिवारों के समूहों, विशाखापत्तनम, थोंडांगी, कुरनूल, हैदराबाद और मेडचल के क्लस्टरों के कुल 45 मित्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की योजना इस तरह बनाई गई थी कि प्रतिभागियों को इस वार्षिक बैठक के महत्व को जानने और दिए गए उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उचित योजना के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिले, जिसमें योजना के वर्तमान चरण के सभी पहलुओं जैसे बच्चों, किशोर और युवाओं के लिए शैक्षिक गतिविधियाँ, स्टडी सर्कल, सामुदायिक जीवन, समीक्षा की आध्यात्मिक प्रकृति, प्रशासन, सामाजिक रूपांतरण, वित्तीय निहितार्थ और अन्य संबद्ध विषयों को शामिल किया गया। इन सभी तक क्लस्टरों का अभिगमन, पीजी –2 योजना, वार्षिक योजना और योजना तत्वों पर समीक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने पिछले वर्ष के दौरान अपने–अपने क्लस्टरों की प्रगति पर विचार किया और आने वाले वर्ष के लिए अपनी गतिविधियों की योजना बनाई।

मित्रों को न केवल अपने समुदायों की प्रगति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, बल्कि जहाँ भी संभव हो, अपने पड़ोसी क्लस्टरों को भी आगे बढ़ने में सहायता करने का लक्ष्य रखा।

प्रतिभागियों को यह स्पष्ट किया गया कि इस बैठक को केवल मित्रों के लिए सीखने की बैठक के रूप में न समझें, बल्कि ध्यान दें कि यह वर्तमान योजना का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें आने वाले दिनों के लिए कार्य की सावधानीपूर्वक योजना बनानी है और इसे इस तरह से निष्पादित करने के लिए एक कार्य योजना



योजना बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

परामर्शों का उद्देश्य इन 9 महीनों के भीतर विकास प्रक्रिया में योगदान देना था।

मित्रों को उनके सीखने, समीक्षा और कार्य की योजना बनाने में मदद करने के लिए – उपरोक्त विषयों को सामाहित करने वाली सामग्रियों के एक विशेष सेट के अलावा, विश्व न्याय मंदिर के 3 महत्वपूर्ण संदेशों – 28 दिसंबर 2010, 29 दिसंबर 2015 और 28 नवंबर 2023 से चयनित अंश और प्रशिक्षण संस्थान : उच्च स्तरीय कार्य प्रणाली को प्राप्त करना नामक एक दस्तावेज भी प्रदान किया गया।

इन तीन दिनों में आयोजित विभिन्न सत्रों के माध्यम से, जिसमें सामूहिक अध्ययन और संयुक्त परामर्श शामिल थे, प्रतिभागियों ने सामुदायिक जीवन की आध्यात्मिक प्रकृति, संस्थान प्रक्रिया, एक मील के पत्थर से दूसरे मील के पत्थर तैयार करनी है कि परिणाम सार्थक हों।

अपनी योजनाओं को तैयार करने में मित्रों की भावना को बढ़ावा देने के लिए सलाहकार से उचित मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है।

तीसरे दिन सभी मित्र अपने–अपने घरों को लौट गए, यहाँ प्राप्त ज्ञान के साथ तथा आने वाले वर्ष के लिए अपनी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए अपने–अपने समुदायों के साथ आगे विचार–विमर्श करने की आशा करते हुए। सहायक मण्डल, परिषद, प्रशिक्षण संस्थान, स्थानीय सभाओं, विकास समितियों, समन्वयकों जैसे क्लस्टर एजेंसियों के सदस्यों की भागीदारी के साथ तथा अध्ययन सामग्री तैयार करने तथा समुचित व्यवस्था करने में परिषद के कर्मियों की सहायता से यह सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2024-25-26

ओडिशा में कोष हेतु मेले का आयोजन

ओडिशा में, स्थानीय आध्यात्मिक सभा, भुवनेश्वर ने बहाई भवन परिसर में एक विशेष आनंददायक मेले का आयोजन किया। इस अनूठी पहल का उद्देश्य स्थानीय आध्यात्मिक सभा की युवाओं ने भाग लिया और उनकी भागीदारी के माध्यम से, उनके परिवारों को बहाई गतिविधियों के बारे में अधिक जानने का अवसर मिला। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थनाओं से हुई, जिसके बाद



ओडिशा में आयोजित मेले के दृश्य

गतिविधियों के लिए धन एकत्रित करना था। कुल 15 स्टॉल लगाए गए, जिनमें भोजन, पेय पदार्थ, किताबें, खेल और जैविक लेखन सामग्री उपलब्ध थी।

इस कार्यक्रम में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल था, जिसमें आस–पास के क्षेत्रों के कार्यक्रम समन्वयक ने एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

धन एकत्रित करने के इस अभिनव प्रयास ने बहुमूल्य शिक्षण अनुभव प्रदान किए और इससे भविष्य की पहलों के लिए कई नए रास्ते खुलने की उम्मीद है।

असम में रूही पुस्तक–11 भाग–2 का अध्ययन

असम में प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में गुवाहाटी बहाई भवन में रूही पुस्तक 11 का भाग–2 (कोष की संस्था) पर चार दिवसीय क्षेत्रीय अध्ययन शिविर का आयोजन किया गया। इस अध्ययन शिविर में असम क्षेत्र के 4 क्लस्टर समूहों सम्पदाओं को साधनों के रूप में देखना, त्यागपूर्ण और उदारता से दान देने का महत्व, दान को एक पवित्र आध्यात्मिक कर्तव्य समझा। इस संस्था को आगे बढ़ाने में तीनों नायकों की भूमिका, कोष के अलग अलग प्रकार, प्रभुधर्म को आगे बढ़ाने



असम में आयोजित पुस्तक अध्ययन में शामिल मित्रगण

में से 9 क्लस्टरों से कुल 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों में 7 परिवार भी शामिल थे।

पाठ्यक्रम के अध्ययन के दौरान प्रतिभागियों में कोष की संस्था को लेकर समझ विकसित हुई। में कोष की भूमिका आदि कुछ विषय थे, जिन पर चर्चा की गई। प्राप्त की गईं अवधारणाओं को लेकर कुछ मित्रों ने पेपर में अंकित करने का प्रयास किया, जो सभी प्रतिभागी के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ।

सूचना

महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल द्वारा श्री गोपालाकृष्णनन नागालिंगम को तमिलनाडु और पुद्दुचेरी का सहायक मण्डल सदस्य (प्रसार) के रूप में नियुक्त किया गया है। इनका कार्यकाल 16 जनवरी, 2025 से आरंभ होकर 26 नवम्बर, 2026 तक रहेगा।

श्री आशीष पाण्डेय को बिहार का सहायक मण्डल सदस्य (प्रसार) के रूप में नियुक्त किया गया है। इनका कार्यकाल 12 फरवरी, 2025 से आरंभ होकर 26 नवम्बर, 2026 तक रहेगा।

झारखण्ड की सहायक मण्डल सदस्या श्रीमती श्वेता फ्रांसिस को उनके स्थानांतरण के कारण उन्हें सहायक मण्डल सदस्य के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है।

● निधन

श्री के. वी. सत्यनारायण

हमें यह बताते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि असम के श्री के. वी. सत्यनारायण का असम में निधन हो गया। वे 75 वर्ष के थे



और काफी समय से बीमार थे। असम में बहाई समुदाय चार दशकों की उनके द्वारा की गई उल्लेखनीय पायनियर सेवाओं को बड़ी प्रशंसा के साथ याद करेगा। असम में धर्म के शुरुआती वर्षों में उभरी स्थानीय और क्षेत्रीय संस्थाएँ उनके अथक समर्थन और मार्गदर्शन से और भी मजबूत हुईं। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

श्री पॉलराज

हमें यह बताते हुए अत्यंत खेद हो रहा है कि तमिलनाडु के



श्री पॉलराज का निधन हो गया। श्री पॉलराज लगभग 5 दशकों से अधिक प्रभुधर्म की सेवा में समर्पित रहे। उनके द्वारा दी गईं सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

कुल पृष्ठ संख्या–4
बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2024-25-26
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post
Posted at DPSO
Delhi on 10/11.03.2025
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

सुशील कुमार द्वारा संपादित, प्रकाशित और मुद्रित समाचारपत्र का स्वामित्व राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110001,
मुद्रण : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 (सुशील कुमार : सम्पादक एवं प्रकाशक)